भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 617

28 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

शहरी नियोजन के बारे में जागरूकता कार्यक्रम

617. श्री टी. आर. बालूः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की ऐसी कोई योजना है कि उनके निर्वाचित नेताओं के साथ-साथ नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही शहरी नियोजन प्रक्रियाओं में प्रोत्साहन तथा जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से उन्हें जीवनयापन योग्य और समावेशी, दोनों प्रकार के शहर निर्माण में अनंतिम हितधारक बनाया जा सके;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या पहलें की गईं/की जा रही हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क), (ख) और (ग): भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची के अनुसार, शहरी नियोजन शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी)/शहरी विकास प्राधिकरणों का कार्य है। भारत सरकार योजनाबद्ध उपायों/सलाहों के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता करती है। शहरी स्थानीय निकायों द्वारा संबंधित राज्यों के नगर नियोजन अधिनियमों के आधार पर मास्टर प्लान/विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं।

मास्टर प्लान/नगर नियोजन योजनाओं को बनाने की प्रक्रिया में संबंधित शहरी स्थानीय निकाय/शहरी विकास प्राधिकरण के निवासियों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करके जन भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। शहरी और क्षेत्रीय विकास योजना निरूपण और कार्यान्वयन (यूआरडीपीएफआई) दिशानिर्देश, 2014 और मॉडल बिल्डिंग उपनियम (एमबीबीएल), 2016 को राष्ट्रीय/क्षेत्रीय कार्यशालाओं और बैठकों के माध्यम से विभिन्न हितधारकों के परामर्श से तैयार किया गया है।

'भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित मास्टर प्लान का निरूपण' अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के तहत सुधारों में से एक है और इसे 500 अमृत शहरों में 100% केंद्र द्वारा वित्तपोषित उप-योजना के रूप में लागू किया गया है। 447 अमृत शहरों के लिए जियो डेटाबेस तैयार किया गया है। 219 शहरों ने मास्टर प्लान को अंतिम रूप दे दिया है और अन्य 158 शहरों ने अब तक ड्राफ्ट मास्टर प्लान तैयार कर लिए हैं।

अमृत 2.0 के अंतर्गत भौगोलिक सूचना प्रणाली आधारित मास्टर प्लान तैयार करने की उप -योजना को 50,000-99,999 की आबादी वाले वर्ग-II शहरों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है। 74 शहरों के लिए जियो डेटाबेस तैयार किया गया है, अब तक 26 शहरों के लिए ड्राफ्ट मास्टर प्लान तैयार किए गए हैं और अन्य 3 शहरों ने मास्टर प्लान को अंतिम रूप दे दिया है।

क्षमता निर्माण अमृत और अमृत 2.0 के घटकों में से एक है, जिसके अंतर्गत 81 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और मास्टर प्लान के निरूपण में भौगोलिक सूचना प्रणाली प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के लगभग 3,000 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

*****